7

# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 फरवरी में होगा अदाणी समूह के साथ समझौता सीएम व्यस्तता के चलते बढ़ाई गई डेट

5 कल्याण रहे न मुलायम...

8 जर्मनी से पेनल्टी शूटआउट में हारा भारत

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 26 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 22 जनवरी, 2024

## प्रभु श्री राम की पहली तस्वीर

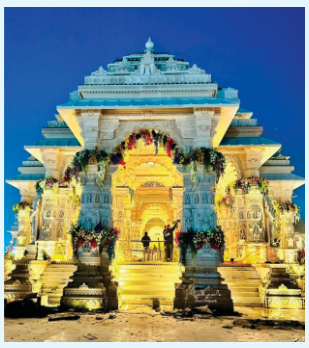

# श्री राम की गूंज

*अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तारीख 22 जनवरी 2024 रखी गई है। हालांकि प्राण प्रतिष्ठा के दिन वही लोग दर्शन कर पाएंगे, जो राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से आमंत्रित किए गए हैं।*

## उत्सवों से रामनगरी सराबोर

### 3500 मजदूर, 150 इंजीनियर, 41 महीने में पूरा हुआ मंदिर का पहला चरण, 2 साल और चलेगा काम

## गर्भगृह में विराजमान हुए प्रभु श्रीराम

अयोध्या। मंडपपूजा के क्रम में मंदिर के तोरण, द्वार, ध्वज, आयुध, पताका, दिक्पाल, द्वारपाल की पूजा की गई। वहीं, पांच वैदिक आचार्यों ने अनुष्ठान की कड़ी में ही चारों वेदों का पारायण भी शुरू कर दिया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विधिवत कर्मकांड बृहस्पतिवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हो गया। शुभ मुहूर्त में दोपहर 1:20 बजे गणेश, अंबिका और तीर्थ पूजा की गई। इससे पहले 12:30 बजे रामलला की अचल मूर्ति को आसन पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विराजित कराया गया। पहले दिन करीब सात घंटे तक पूजन चला। मुख्य यजमान अशोक सिंहल फाउंडेशन के अध्यक्ष महेश भागचंदका रहे।

काशी के आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में पूजन प्रक्रिया संपन्न कराई जा रही है। रामलला के अचल विग्रह को अभी ढक कर रखा गया है। आवरण 20 जनवरी को हटाया जाएगा। बृहस्पतिवार को ढकी मूर्ति का ही पूजन किया गया। रामलला के अचल विग्रह, गर्भगृह स्थल और यज्ञमंडप का पवित्र नदियों के जल से अभिषेक किया गया। पूजन के क्रम में ही राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला का जलाधिवास व गंधाधिवास हुआ।

उधर, रामलला के नवनिर्मित मंदिर में अचल विग्रह की स्थापना के साथ विराजमान रामलला को भी पूजित–प्रतिष्ठित किया जाएगा। राममंदिर के गर्भगृह में सोने के सिंहासन पर रामलला की 51 इंच की अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। उनके सिंहासन के ठीक आगे विराजमान रामलला स्थापित होंगे। वे मंदिर में चल मूर्ति यानी उत्सव मूर्ति के रूप में पूजित होंगे।

विराजमान रामलला की उपेक्षा के उठ रहे सवाल पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने साफ कहा है कि विराजमान रामलला मुकदमा जीते हैं। उन्हें कैसे हटाया जा सकता है नवनिर्मित गर्भगृह में वे भी प्रतिष्ठित किए जाएंगे। अचल विग्रह के ठीक आगे सिंहासन पर उन्हें भाइयों समेत विराजमान किया जाएगा। रोजाना उनकी पूजा, आरती होगी। अचल मूर्ति स्थापित होने के बाद हिल नहीं सकेगी, इसलिए विराजमान रामलला उत्सव मूर्ति के रूप में यहां प्रतिष्ठित रहेंगे। पर्व व त्योहारों पर इसी उत्सव मूर्ति के साथ शोभायात्रा भी निकाली जाएगी।

चंपत राय ने बताया कि विराजमान रामलला आकार में बहुत छोटे हैं, ऐसे में भक्तों को ठीक से भगवान के दर्शन नहीं हो पाते थे। भक्तों की भावना को देखते हुए एक बड़ी मूर्ति बनाने का निर्णय लिया गया, ताकि रामलला के मुख मंडल का दर्शन भक्त ठीक तरह से कर पाएं। अचल मूर्ति 51 इंच की है। इसे चार फीट ऊंचे सिंहासन पर विराजमान किया जाएगा। इस तरह मूर्ति की कुल ऊंचाई करीब आठ फीट हो जाएगी। ऐसे में भक्त को सुलभ दर्शन प्राप्त हो सकेंगे।

### मात्र छह इंच की है विराजमान रामलला की मूत

अस्थायी मंदिर में रामलला चारों भाइयों समेत विराजमान हैं। विराजमान रामलला की मूर्ति मात्र छह इंच की है। रामलला इस मूर्ति में एक हाथ में लड्डू लिए हुए घुटने के बल पर बैठे हैं। भरत की मूर्ति भी छह इंच की है, जबकि लक्ष्मण व शत्रुघ्न की मूर्ति तो मात्र तीन–तीन इंच की है। गर्भगृह में हनुमान की भी दो मूर्तियां हैं, इनमें से एक मूर्ति पांच इंच की है। एक बड़ी मूर्ति लगभग तीन फीट की है।

### यह है अधिवास

अधिवास वह प्रक्रिया है जिसमें मूर्ति को विभिन्न सामग्रियों में कुछ समय तक के लिए रखा जाता है। मान्यता है कि मूर्ति पर शिल्पकार के औजारों से आई चोट इससे ठीक हो जाती है। तमाम दोष खत्म हो जाते हैं। इसी क्रम में जलाधिवास के तहत अचल विग्रह को शास्त्रीय विधि से जल में रखा गया। शाम के समय गंधाधिवास हुआ। इसमें श्रीराम की मूर्ति पर सुगंधित द्रव्यों का लेपन किया गया। अनुष्ठान के क्रम में ही यज्ञमंडप की भी पूजा हुई।

### अरणिमंथन से प्रकट होगी अग्नि

पूर्व गणपति आदि स्थापित देवताओं का पूजन, द्वारपालों द्वारा सभी शाखाओं का वेदपारायण, देवप्रबोधन, औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास, कुंडपूजन, पञ्चभूसंस्कार होगा। अरणिमंथन द्वारा प्रकट हुई अग्नि की कुंड में स्थापना, ग्रहस्थापन, असंख्यात रुद्रपीठस्थापन व प्रधानदेवतास्थापन होगा। इसके अलावा राजाराम, भद्र, श्रीरामयंत्र, बीठदेवता, अङ्गदेवता, आवरणदेवता, महापूजा, वारुणमंडल, योगिनीमंडलस्थापन, क्षेत्रपालमंडलस्थापन, ग्रहहोम, स्थाप्यदेवहोम, प्रासाद वास्तुशांति, धान्याधिवास सायंकालिक पूजन एवं आरती होगी।

## सम्पादकीय

# मथुरा ईदगाह पर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश अदालती रूख में कोई बदलाव नही

यह लगभग एक स्थापित मानदंड बन गया है और इसलिए इसका असर उन सभी मामलों पर पड़ेगा जहां पूजा स्थलों के स्वामित्व को इस आधार पर विवादित किया गया है कि वर्तमान संरचनाएं उन मंदिरों के खंडहरों पर बनाई गई थीं जो कभी उन स्थानों पर थे। यह लगभग एक स्थापित मानदंड बन गया है और इसलिए इसका असर उन सभी मामलों पर पड़ेगा जहां पूजा स्थलों के स्वामित्व को इस आधार पर विवादित किया गया है कि वर्तमान संरचनाएं उन मंदिरों के खंडहरों पर बनाई गई थीं जो कभी उन स्थानों पर थे। लेकिन इस मुद्दे पर राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी, जैसा कि अयोध्या में नये राम मंदिर के मामले में स्पष्ट है।

मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह परिसर का सर्वेक्षण करने के लिए एक अधिवक्ता आयोग नियुक्त करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाने वाला सर्वोच्च न्यायालय का आदेश विवादित पूजा स्थलों के संबंध में न्यायपालिका के सामान्य दृष्टिकोण में कोई खास बदलाव नहीं करता है, जो कि अन्य मुद्दों के बजाय आस्था के पक्ष में अधिक जोर देता है।

भारत के शीर्ष अदालत का आदेश विवादास्पद दावों के बारे में ठोस मुद्दों के बजाय तकनीकी पहलुओं पर आधारित है, जिसमें 1991 के पूजा स्थल अधिनियम को चुनौती भी शामिल है, जिसे अब विभिन्न न्यायिक फैसलों के अनुसार अनुल्लंघनकारी बाध्यता नहीं माना जाता है, जिसमें इससे संबंधित विवाद भी शामिल है। अयोध्या में रामजन्मभूमि, दरअसल, उस मामले में ऐतिहासिक फैसले ने भविष्य के लिए एक नया खाका तैयार किया है, जिसे आने वाले दिनों में अपनाने में बढ़ोतरी की उम्मीद है।

यह प्रासंगिक है कि सर्वोच्च न्यायालय ने केवल सर्वेक्षण करने के लिए आयोग नियुक्त करने के उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाई है, मुख्य मुकदमे में कार्रवाई जारी रखने पर नहीं। अदालत ने स्पष्ट किया, 'हम पूर्ण स्थगन जारी नहीं कर रहे हैं, ' यह कहते हुए कि स्थगन आदेश केवल ईदगाह स्थल के सर्वेक्षण के लिए एक अधिवक्ता आयोग स्थापित करने के उच्च न्यायालय के आदेश के कार्यान्वयन से संबंधित है।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि क्या 1991 का अधिनियम प्रतिद्वंद्वी दलों के दावों के संबंध में किसी भी बदलाव को रोकता है? इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष एक दर्जन से अधिक याचिकाएं लंबित हैं, जिसमें हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद का निर्माण सम्राट औरंगजेब ने कृष्ण के जन्मस्थान की भूमि पर एक मंदिर को ध्वस्त करके किया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने विवादित ढांचे पर सर्वेक्षण करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति के लिए हिंदू पक्ष के आवेदन में खामियां निकाली हैं। बात उस बिंदु से आगे नहीं बढ़ी है कि 'क्या कोई आवेदन इस तरह किया जा सकता है? आवेदन को लेकर हमें आपत्ति है। प्रार्थना देखें। यह बहुत अस्पष्ट है। इसे पढ़ें। आप इस तरह सर्वव्यापी अनुप्रयोग नहीं बना सकते। आपको इस बारे में बहुत स्पष्ट होना होगा कि आप स्थानीय आयुक्त से क्या चाहते हैं,'च दो सदस्यीय पीठ का नेतृत्व कर रहे न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने कहा। पिछले साल मई में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद विवाद पर सभी मुकदमों को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। मस्जिद समिति ने इस आधार पर स्थानांतरण को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया कि विवाद के संबंध में सभी मुकदमे लंबित हैं और उच्च न्यायालय को इस बीच दूसरे पक्ष को अंतरिम राहत नहीं देनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट केवल उस तर्क को कायम रख रहा था। अन्य सभी मुद्दों पर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है।

अनिवार्य रूप से, देश के मुसलमानों ने इसी तरह के विवादों के संबंध में अपना कारण उस दिन खो दिया जब सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मुद्दे को सुलझाया कि मुस्लिम पूजा के आवश्यक रूप के बारे में 1994 के फैसले का उल्लेख किया जाये या नहीं। वह निर्णय इस निष्कर्ष पर आधारित था कि मस्जिद में प्रार्थना करना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है और मुसलमानों द्वारा नमाज खुले में भी पढ़ी जा सकती है। सितंबर 2010 में अयोध्या भूमि विवाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर इस फैसले का बड़ा प्रभाव पड़ा, जब तीन न्यायाधीशों की पीठ ने विवादित स्थल को हिंदुओं, मुसलमानों और निर्मोही अखाड़े के बीच विभाजित कर दिया। यह लगभग एक स्थापित मानदंड बन गया है और इसलिए इसका असर उन सभी मामलों पर पड़ेगा जहां पूजा स्थलों के स्वामित्व को इस आधार पर विवादित किया गया है कि वर्तमान संरचनाएं उन मंदिरों के खंडहरों पर बनाई गई थीं जो कभी उन स्थानों पर थे। लेकिन इस मुद्दे पर राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी, जैसा कि अयोध्या में नये राम मंदिर के मामले में स्पष्ट है। हालांकि वर्तमान विवाद का मूल मुद्दा भाजपा द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अभिषेक कार्यक्रम का उपयोग करना है, लेकिन ध्वस्त बाबरी मस्जिद धर्मनिरपेक्षता को एक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना जारी रखे हुए है। फिर भी वर्तमान व्यवस्था में धर्मनिरपेक्षता का स्वाद कम होने से पासा पुरानी संरचनाओं के पक्ष में भारी पड़ गया है।

# रान–पाक टकराव विश्व शांति को नया खतरा

एक ओर रूस–यूक्रेन तथा इज़रायल–फिलीस्तीन संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, दूसरी तरफ़ भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और ईरान के बीच टकराव शुरू हो गया है, जो विश्व शांति के लिये बड़ा खतरा बन सकता है। एक ओर रूस–यूक्रेन तथा इज़रायल–फिलीस्तीन संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, दूसरी तरफ़ भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और ईरान के बीच टकराव शुरू हो गया है, जो विश्व शांति के लिये बड़ा खतरा बन सकता है। वैसे ईरान ने इसी के साथ अपने दो और मुल्कों पर हमले किये हैं। ये देश हैं सीरिया व इराक। इन हमलों की गम्भीरता को देखते हुए सुलह के प्रयासों की तत्काल ज़रूरत आन पड़ी है। पहले उल्लेखित संघर्षरत मुल्कों के बीच युद्धों के अपने–अपने कारण हैं, परन्तु ताज़ा लड़ाई (ईरान–पाक) की वजह एक दूसरे पर आतंकवाद को बढ़ावा देना है। दोनों देशों के बीच तल्ख़ी इस कदर बढ़ गई कि दोनों ने एक दूसरे के उच्चायुक्तों को अपदस्थ कर दिया है। वैसे युद्ध जिस भी कारण से हो रहा हो, आवश्यक है कि दोनों देश परस्पर संवाद से समस्या का निदान ढूंढ़े। ईरान ने उससे लगे पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में आतंकी समूह जैश–अल–अदल के दो ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से आक्रमण कर दिया। हमले के जवाब में ईरान पर एयर स्ट्राईक कर दी गई। खुद ईरान ने स्वीकारा है कि पाकिस्तानी हमले से उसके सिस्तान–बलूचिस्तान क्षेत्र में 7 लोग मारे गये हैं, जिनमें तीन महिलाएं और चार बच्चे हैं। इसके पहले भी 2016 में ईरान ने पाक सीमा में घुसकर मोर्टार हमले किये थे। इन दोनों देशों के बीच तकरीबन 900 किलोमीटर की सीमा लगती है। 2017 में पाक संरक्षित आतंकवादियों ने ईरान के 10 सुरक्षाकर्मियों को मार डाला था, तभी से दोनों देशों के बीच कई बार सम्बन्ध बिगड़ते भी रहे। ईरान एक शिया और पाकिस्तान सुन्नी मुसलमान देश है, जो उभय पक्षों के बीच खट्टे–मीठे सम्बन्धों का एक और कारण है। पाकिस्तान की सऊदी अरब से बढ़ती नज़दीकियां भी ईरान को रास नहीं आ रही हैं, जबकि 1965 में भारत–पाक युद्ध में ईरान ने पाकिस्तान का साथ दिया था।

पाकिस्तान पर ईरान का तो आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप है ही, खुद पाकिस्तान का कहना है कि ईरान में सक्रिय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स (बीएलएफ) को उस देश के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है जो पाकिस्तान में सरकार विरोधी कार्रवाइयां कर रहे हैं। पाकिस्तान ने कथित रूप से इन्हीं संगठनों के ठिकानों पर हमले किये हैं। पाकिस्तान की उत्तर में बलूचिस्तान स्थित है जिसकी सीमा अफगानिस्तान से लगती है और पश्चिम में ईरान से सटी हुई है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बलूचिस्तान को उसके इस संसाधन का लाभ नहीं मिल पाता और वहां से निकलने वाले खनिजों का फायदा पाकिस्तान के पंजाब इलाकों को ज्यादा मिलता है। इसलिये बलूचिस्तान के लोग सरकार से नाराज़ हैं और वे अलग होने की मांग तक करते आये हैं। जबसे पाकिस्तान ने इन खनिजों को चीन के लिये भी खोल दिया है, बलूचियों की नाराज़गी और ज्यादा बढ़ गई है। बीएलए और बीएलएफ जैसे संगठन पाकिस्तानी व चीनी सेना के जवानों को निशाना बना रहे हैं। ईरान का मानना है कि पाकिस्तान, सीरिया एवं इराक तीनों ही आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिये उसने अपने हितों की रक्षा के लिये तीनों मुल्कों पर हल्ला बोला है।

दावोस में जारी वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम में हिस्सा ले रहे ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि जैश–अल–अदल पाकिस्तान की धरती से ईरान के खिलाफ सक्रिय आतंकी संगठन है। ईरान लम्बे समय से कहता आया है कि पाकिस्तान उनके देश के खिलाफ काम कर रहे आतंकी समूहों को पनाह और प्रोत्साहन देता है। कई कार्रवाइयों की उसने जिम्मेदारी भी ली है। इसने ईरान में 2013 में बड़ा हमला किया था। ईरान के अलावा अमेरिका, जापान, न्यूजीलैंड आदि कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठनों की सूची में डाल रखा है। वैसे दोनों देशों (ईरान–पाकिस्तान) के बीच कभी नरम तो कभी गरम वाले सम्बन्ध होते हैं। कुछ अरसा पहले दोनों देशों ने संयुक्त युद्धाभ्यास भी किया था लेकिन आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों को लेकर खटास भी हो जाती है। हाल के वर्षों में रिश्ते इस कदर बिगड़ जाने की मुख्य वजह बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में जैश–अल–अदल को शरण मिलना है। चीन से दोनों के अच्छे ताल्लुक हैं जो इस तनातनी से अपने व्यवसायिक हितों के चलते चिंतित है। दोनों चीन प्रवर्तित शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के सदस्य हैं, इसलिये बुधवार को चीन के विदेश मंत्रालय के ओर से बयान जारी कर मसले को बातचीत से हल करने की सलाह दी गई है। इस बीच खाड़ी देशों के बीच स्थितियां और अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध काफी बदले हैं। भारत के साथ ईरान के सम्बन्ध कच्चे तेल के व्यवसाय पर निर्भर हैं। भारत ईरान का बड़ा आयातक देश है, इसलिये इस सशस्त्र संघर्ष का उसके शेयर बाजार पर पड़ना लाजिमी है। इस क्षेत्र में लड़ाई के आगाज़ की आशंका से सेंसेक्स व निफ्टी में बड़ी गिरावट दर्ज हुई जिसके कारण निवेशकों ने लगभग 4.50 लाख करोड़ रुपये गंवा दिये।

व्यवसायिक हितों से बढ़कर मानवीयता के दृष्टिकोण से भी यह संघर्ष थमना ज़रूरी है। कोरोना के कारण अनेकानेक तरह की दुश्वारियों से घिरती हुई दुनिया में इतना दम नहीं रह गया है कि वह किसी भी क्षेत्र में और किसी भी कारण से ऐसी लड़ाइयों को झेल सके। हर युद्ध त्रासदियों को जन्म देता है, जो हाल के रूस–यूक्रेन और इज़रायल–फिलीस्तीन के बीच चल रही लड़ाइयों में देखने को मिल रही है। युद्ध में मासूम लोग बलि चढ़ते हैं और एक हद के बाद सारी लड़ाइयां थम जाती हैं परन्तु मानवता को होने वाले नुकसान की भरपाई कभी पूरी नहीं हो पाती।

# राम तो बहाना है, संविधान और गणतंत्र पर निशाना है!!

अयोध्या में अभी तक अधबने मंदिर को लेकर देश भर में चलाई जा रही मुहिम की श्रृंखला में मध्यप्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव के हस्ताक्षरों से 12 जनवरी को समस्त कलेक्टरों के लिए एक आदेश जारी किया है। सत्ता और धर्म को अलग रखने को लेकर बहसें आजादी की लड़ाई के तीखे दमन के बीच भी चलीं। अपनी हर प्रार्थना सभा में रघुपति राघव राजा राम गाने और गवाने वाले, एक जहरीली विचारधारा से मंत्रबिद्ध उन्मादी हत्यारे की पिस्तौल से निकली गोलियां खाने के बाद जिनके मुंह से आखिरी शब्द 'हे राम' निकले वे पक्के हिन्दू महात्मा गांधी भी कहते थे कि 'राज्य' का कोई धर्म नहीं हो सकता, भले उसे मानने वाली आबादी 100 फीसदी क्यों न हो।

अयोध्या में अभी तक अधबने मंदिर को लेकर देश भर में चलाई जा रही मुहिम की श्रृंखला में मध्यप्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव के हस्ताक्षरों से 12 जनवरी को समस्त कलेक्टरों के लिए एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में उन्होंने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तारतम्य में 16 से 22 जनवरी तक सभी सरकारी भवनों, स्कूलों, मंदिरों, गांवों, कस्बों, शहरों में किये जाने वाले आयोजनों को सूचीबद्ध करते हुए कलेक्टरों को उनके प्रबंधन के निर्देश दिए हैं। इस तरह पूरे सप्ताह भर तक मध्यप्रदेश की सरकार, जिस काम के लिए उसे चुना गया है अपना वह सारा कामकाज छोड़कर, दीये जलायेगी, मन्दिर सजायेगी, भंडारे करवायेगी और सरकारी बिल्डिंगों पर झालरें लटकवायेगी। इस आशय के बाकायदा आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। आदेश में प्रदेश के सभी कलेक्टरों से 9 काम करने के लिए कहा गया है। इन कामों में पहला काम 16 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक मंदिर में राम कीर्तन कराने, मंदिरों में दीप जलाने और हर घर में दीपोत्सव के लिए आमजन को जाग्रत करने का है । इस पहले काम के अलावा बाकी के आठ कामों में हर नगर तथा हर गांव में राम मंडलियों के कार्यक्रम करवाना, हर शहर गांव के मुख्य मंदिरों पर टीवी स्क्रीन लगाकर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कराना और इसमें लोगों की भागीदारी कराना, 22 जनवरी को सभी प्रमुख मंदिरों में भंडारों का आयोजन कराना, मंदिरों में साफ़–सफाई, दीप प्रज्वलन के साथ ही 'श्रीराम–जानकी आधारित' सांस्कृतिक आयोजन करवाना, शहरों में नगरीय विकास तथा आवास विभाग, गांवों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा साफ़ सफाई के साथ सभी सरकारी इमारतों तथा स्कूल एवं कालेजों में साज–सज्जा करवाना, प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में 16 से 21 जनवरी विशेष सफाई अभियान और 21 से 26 तक झालरें लटकाने– लाइटिंग की व्यवस्था करवाना, 11 से 21 जनवरी तक प्रदेश के 20 जिलों में हो रही रामलीलाओं– श्रीरामचरित लीला समारोह– के लिए समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना शामिल हैं। कलेक्टरों को सौंपा गया नौवां काम है 'स्पेशल ट्रेनों तथा सड़क मार्गों से अयोध्या जा रहे तीर्थ यात्रियों के सम्मान/स्वागत की व्यवस्थाएं स्थानीय निकायों तथा स्थानीय जनों के सहयोग से सुनिश्चित करना।'

भारतीय संविधान के तहत निर्वाचित, उसके अनुरूप चलने की शपथ लेकर सत्तासीन हुई सरकार का यह आदेश भारत दैट इज इंडिया में राजकाज चलाने की अब तक की परम्परा से एकदम अलग तो है ही खुद संविधान सम्मत प्रावधानों के प्रतिकूल और विरुद्ध भी है। भारत का संविधान धर्म और उसके साथ शासन के रिश्तों के बारे में एकदम साफ़–साफ़ प्रावधान करता है। संविधान के अनुच्छेद 25 से लेकर 28 तक में इस बारे में स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है कि भारत का कोई भी एक आधिकारिक राज्य धर्म नहीं होगा। देश में रहने वाले हर व्यक्ति को किसी भी धर्म को मानने, उसके अनुरूप आचरण करने और अपने धर्म का प्रचार करने का अधिकार होगा। उसके इस अधिकार का संरक्षण करने की गारंटी संविधान देता है और कहता है कि ऐसा हो सके यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की होगी। संविधान यह भी कहता है कि सरकार किसी भी एक धर्म के प्रति राग या द्वेष से काम नहीं लेगी, न किसी धर्म का विरोध किया जाएगा न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया जाएगा।

संविधान के अनुच्छेद 25 में प्रत्येक व्यक्ति को अपने धार्मिक विश्वास और सिद्धांतों का प्रसार करने का अधिकार दिया गया है। अनुच्छेद 27 के अनुसार नागरिकों को किसी विशिष्ट धर्म या धार्मिक संस्था की स्थापना या पोषण के बदले में कर–टैक्स– देने के लिये बाध्य नहीं किया जायेगा। वहीं अनुच्छेद 28 के द्वारा सरकारी शिक्षण संस्थाओं में किसी प्रकार की धार्मिक शिक्षा नहीं दिए जाने का प्रावधान किया गया है। अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए यह अनुच्छेद कहता है कि 'राज्य–निधि से पूर्णतः पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी।' यह भी कि 'राज्य से मान्यता प्राप्त या राज्य–निधि से सहायता पाने वाली शिक्षा संस्था में उपस्थित होने वाले किसी व्यक्ति को ऐसी संस्था में दी जाने वाली धार्मिक शिक्षा में भाग लेने के लिए या ऐसी संस्था में या उससे संलग्न स्थान में की जाने वाली धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के लिए तब तक बाध्य नहीं किया जाएगा. जब तक कि उस व्यक्ति ने, या यदि वह अवयस्क है तो उसके संरक्षक ने, इसके लिए अपनी सहमति नहीं दे दी है।' इस तरह से पहली नजर में ही मध्यप्रदेश सरकार का यह 'आदेश' भारत के संविधान – जिसकी 75वीं सालगिरह की वर्ष इसी 26 जनवरी से शुरू हो रही है–का सिरे से उल्लंघन करने वाला है। क़ानून की भाषा में ऐसा कृत्य आपराधिक और दंडनीय माना जाता है। भारत का संविधान 251 पृष्ठों में लिखी 395 अनुच्छेद और 25 भागों में विभाजित, 12 अनुसूचियों में लिखे कुछ नियम कानूनों का संकलन नहीं है, यह कुछ पढ़े–लिखे समझदार लोगों द्वारा अपनी पसंद और रूचि से लिखी बातों का संग्रह भी नहीं है। यह शून्य में से अवतरित, नाजिल हुई अपौरुषेय किताब भी नहीं है; यह कोई दो सौ साल तक चली आजादी की लड़ाई में कुर्बान हुए शहीदों की अस्थि की कलम से उनके बहाए खून से लिखी गई इबारत है। उस. इंसानों के इतिहास की विराट लड़ाई में शामिल सभी धाराओं के आजाद भारत के स्वरूप के बारे में समझदारी का सार है। यह 5 हजार वर्षों की सभ्यता के हासिल अनुभवों का निचोड़ है। यह धर्माधारित राष्ट्र की बेहूदा और पागलपन की अवधारणा का धिक्कार और नकार है। यह भारत को दूसरा पाकिस्तान बनाने की कोशिश का अस्वीकार है।

सत्ता और धर्म को अलग रखने को लेकर बहसें आजादी की लड़ाई के तीखे दमन के बीच भी चलीं। अपनी हर प्रार्थना सभा में रघुपति राघव राजा राम गाने और गवाने वाले, एक जहरीली विचारधारा से मंत्रबिद्ध उन्मादी हत्यारे की पिस्तौल से निकली गोलियां खाने के बाद जिनके मुंह से आखिरी शब्द 'हे राम' निकले वे पक्के हिन्दू महात्मा गांधी भी कहते थे कि 'राज्य' का कोई धर्म नहीं हो सकता, भले उसे मानने वाली आबादी 100 फीसदी क्यों न हो। धर्म एक व्यक्तिगत मामला है इसका राज्य के साथ कोई संबंध नहीं होना चाहिए।' वे कहते थे कि 'राजनीति में धर्म बिलकुल नहीं होना चाहिए, मैं यदि कभी डिक्टेटर बना तो राजनीति में धर्म को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दूंगा।' देश में रामराज्य लाने की बात कहने वाले गांधी कहते थे कि 'मैं जिस रामराज्य की बात कहता हूं उसका मतलब राम का या धर्म का राज नहीं है, मैं जब पख्तूनों के बीच जाता हूं तो खुदाई राज और ईसाइयों के बीच जाता हूं तो गॉड के राज की बात करता हूं, इसका मतलब धार्मिक राज नहीं है, समता और सहिष्णुता का शासन है, नैतिक समाज का आधार है।' उन्होंने बार–बार कहा कि 'धर्म राष्ट्रीयता का आधार नहीं हो सकता। धर्म और संस्कृति अलग–अलग है।'

गांधी अकेले नहीं थे– उनकी धारा के सभी नेता उनके साथ थे। उनकी रीति नीति से असहमत भी इस मामले में उनके साथ थे। भगतसिंह से लेकर समाजवादियों, वामपंथियों, जाति वर्ण के शोषण निर्मूलन की समर्थक पेरियार, डॉ अम्बेडकर जैसी धाराओं सहित सभी आन्दोलन और संगठन इस मामले में एकमत थे; इसी आम राय का नतीजा था कि जो पाकिस्तान की तर्ज पर भारत को भी धर्माधारित राष्ट्र बनाना चाहते थे, मुहम्मद अली जिन्ना से भी 20 साल पहले जो हिन्दुओं के लिए अलग राष्ट्र की मांग कर चुके थे, कुम्भ के मेले में बिछड़े जिन्ना के उन सहोदरों को भारत ने निर्णायक रूप से ठुकरा दिया था।

पिछले दो सप्ताहों से आ रही खबरों से अब आम हिन्दुस्तानी भी समझ चुके हैं कि अयोध्या के आयोजन से उस हिन्दू धर्म का भी कितना संबंध है जिसके नाम से देश की लंका लगाने की यह विराट परियोजना लाई गई है। चारों शंकराचार्यों की भद्रा उतार रही है वह असाधारण निकृष्टता का एक उदाहरण है। अधबने मंदिर के लिए खरीदी गई जमीन के घोटालों के लिए ज्यादा चर्चित, मोदी सरकार द्वारा गठित न्यास के सचिव चम्पत राय का इस मंदिर को सभी भारतीयों, सभी हिन्दुओं का न मानना और इसे भारतीय धार्मिक परम्पराओं के सिर्फ एक छोटे से सम्प्रदाय– रामानंदी सम्प्रदाय– का बताना, शैव, शाक्त, संन्यासियों सहित सैंकड़ों धार्मिक धाराओं को इससे दूर रखना दूसरा उदाहरण है। ऐसे उदाहरण अनेक हैं जो इस बात को आईने की तरह साफ़ कर देते हैं कि यह धर्म के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का धतकरम है।

# भगवान राम की पांच वर्ष वाली प्रतिमा ही क्यों चुनी गई

अयोध्या । भगवान राम की जन्मस्थली है, इसलिए इस बात पर कोई संशय नहीं था कि यहां मंदिर में उनका बालरूप ही विराजमान होना चाहिए। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कई अधिकारियों का सुझाव था कि भगवान राम का यहां पर वही बाल रूप होना चाहिए जिसे देखकर माताओं के अंदर ममता भाव जागे...अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हो चुका है। 17 जनवरी को भगवान की चांदी की एक प्रतीकात्मक प्रतिमा को मंदिर भ्रमण कराया गया। 18 जनवरी को उनकी मुख्य मूर्ति को आसन पर विराजमान कर पूजन कार्यक्रम शुरू कर दिया जाएगा। मुख्य प्रतिमा के रूप में भगवान राम की पांच वर्ष के बालक रूप को मुख्य मूर्ति के रूप में चयनित किया गया है। भगवान राम की प्रतिमा के रूप में उनका पांच वर्ष का स्वरूप ही क्यों चुना गया, बहुत सोच विचार के बाद यह निर्णय किया गया था। अयोध्या भगवान राम की जन्मस्थली है, इसलिए इस बात पर कोई संशय नहीं था कि यहां मंदिर में उनका बालरूप ही विराजमान होना चाहिए। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कई अधिकारियों का सुझाव था कि भगवान राम का यहां पर वही बाल रूप होना चाहिए जिसे देखकर माताओं के अंदर ममता भाव जागे। लेकिन यह रूप साल–डेढ़ साल के बच्चे का घुटनों के बल चलने वाला बाल रूप हो या उससे बड़ा, इस पर बहुत विचार विमर्श किया गया। दरअसल, ट्रस्ट के कई लोग यह भी चाहते थे कि यहां भगवान राम का पूर्ण पुरुष के रूप में भव्य स्वरूप विराजमान होना चाहिए, जिससे उन्हें देखकर युवाओं के मन में वीरता भाव जागे और वे अपने राष्ट्र–समाज में धर्म रक्षा के लिए प्रेरित हो सकें। इसके लिए उनके धनुष–बाण लिए पूर्ण मूर्ति का सुझाव दिया गया।

लेकिन अंत में सहमति इस बात पर बनी कि पांच वर्ष के रूप में भगवान राम की मूर्ति में एक बच्चे के समान उनके मुख पर कोमलता भी विराजमान हो सकती है, साथ ही धनुष बाण लिए उनके विराट रूप की एक झलक भी दिखाई पड़ सकती है। इससे उनकी मूर्ति को देखकर जहां माताओं के अंदर ममता की भावना जागेगी, वहीं पुरुषों को उनकी मूर्ति देखकर उनके पूर्ण रूप का आभास होगा, जिसके सामने नतमस्तक होकर वे आशीर्वाद और वरदान मांगने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। यही कारण है कि अयोध्या में भगवान राम के पांच वर्ष के बच्चे के रूप में मूर्ति का चयन किया गया। कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने इस मूर्ति का आकार दिया है। कहा जा रहा है कि यह मूर्ति भव्य है और इसे देखकर भक्तों के अंदर अद्भुत भक्ति भाव पैदा होगा।

## फरवरी में होगा अदाणी समूह के साथ समझौता सीएम व्यस्तता के चलते बढ़ाई गई डेट

गोरखपुर। गीडा सीईओ अनुज मलिक ने कहा कि अदाणी समूह के साथ सहमति बन चुकी है। लुलु माल समेत कई अन्य कंपनियों के प्रतिनिधि 22 के बाद गीडा आएंगे। हमारा प्रयास है कि फरवरी के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आवासीय योजना की लांचिंग और नई कंपनियों के साथ समझौता किया जाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में गीडा में होने वाला कार्यक्रम अब फरवरी के पहले सप्ताह में होने की संभावना है। इसी कार्यक्रम में अदाणी समूह के साथ धुरियापार में सीमेंट फैक्टरी लगाने का समझौता होना है। वहीं, कालेसर जीरो प्वाइंट पर आवासीय योजना की लांचिंग और लुलु मॉल व दीप एसोसिएट्स को प्लॉट आवंटन की प्रक्रिया भी अब अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद ही तेज होगी।

कालेसर जीरो प्वाइंट के व्यावसायिक योजना में लुलु मॉल कंपनी को मिनी शापिंग मॉल और दीप एसोसिएट्स को होटल खोलने के लिए जमीन देने की तैयारी है। दोनों कंपनियों को पांच–पांच एकड़ प्लॉट की जरूरत है। इनके प्रतिनिधि पिछले सप्ताह लखनऊ आ भी रहे थे, लेकिन अयोध्या में कोहरे के चलते वे वापस लौट गए थे। अब उनके 26 जनवरी के बाद ही गीडा आने की संभावना है।

एक बार वो जमीन देखकर पुष्टि कर दें तो उसके आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। फरवरी के पहले सप्ताह में कालेसर जीरो प्वाइंट के पास एक भव्य कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री की मौजूदगी में अदाणी, लुलु मॉल और दीप एसोसिएट्स के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाएगा। उसी दिन कालेसर जीरो प्वाइंट के आवासीय योजना की लांचिंग भी की जाएगी। इसके अलावा कुछ लोगों को व्यावसायिक प्लॉट भी आवंटित किए जा सकते हैं। गीडा सीईओ अनुज मलिक ने कहा कि अदाणी समूह के साथ सहमति बन चुकी है। लुलु माल समेत कई अन्य कंपनियों के प्रतिनिधि 22 के बाद गीडा आएंगे। हमारा प्रयास है कि फरवरी के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आवासीय योजना की लांचिंग और नई कंपनियों के साथ समझौता किया जाना है। 26 जनवरी के बाद इसकी तैयारी शुरू की जाएगी।

## डाक्टर की सलाहः बंद कमरे में न जलाएं अलाव, जहरीली गैस से घुट जाएगा दम

गोरखपुर। विशेषज्ञों का कहना है कि जहां पर हीटर जलाएं। वहां आसपास जलने वाली चीजें जैसे कागज, कपड़े, कंबल, रजाई आदि न रखें। बेड से भी इसे दूर रखें, जब भी हीटर जलाएं तो थोड़ी–थोड़ी देर पर कमरा खोल दें, क्योंकि इससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलती है, जो खतरनाक हो सकती है।

ठंड से बचने के लिए कमरे में अलावा जलाकर सोना जानलेवा हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बंद कमरे में अलाव जलने से कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड गैस मिलकर मेथ हीमोग्लोबिनिया जहरीली गैस बना देते हैं, जो मौत का कारण बन जाते हैं। गगहा में ऐसे ही एक हादसे में मंगलवार रात दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां की हालत गंभीर हैं। मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभाग के अध्यक्ष डॉ. अश्वनी मिश्र बताते हैं, कि ठंड से बचने के लिए अगर आप अलाव के पास बैठते हैं तो दूरी बनाकर रखें, क्योंकि इससे उठने वाली चिंगारी आप के लिए जानलेवा साबित हो सकी है। वहीं, अंगीठी जलाने के लिए कोयला या लकड़ी का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान रहें। अंगीठी के अलाव से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलती है, जो जहरीली होती है, इससे जान जा सकती है।

खासकर जब कोई बंद कमरे में इसका इस्तेमाल करता है तो कमरे के अंदर ऑक्सीजन खत्म हो जाती है और कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। सोया हुआ व्यक्ति जब सांस लेता है तो ऑक्सीजन की जगह कार्बन मोनोऑक्साइड ही शरीर में जाती है, जिससे दिमाग पर असर होता है और इंसान बेहोश हो जाता है। यही नहीं सांस के जरिए यह जहरीली गैस लंग्स और शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंच जाती है। ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम हो जाती है और इंसान की मौत हो जाती है।

### हीटर और ब्लोअर के इस्तेमाल के दौरान रखें विशेष ध्यान

विशेषज्ञों का कहना है कि जहां पर हीटर जलाएं। वहां आसपास जलने वाली चीजें जैसे कागज, कपड़े, कंबल, रजाई आदि न रखें। बेड से भी इसे दूर रखें, जब भी हीटर जलाएं तो थोड़ी–थोड़ी देर पर कमरा खोल दें, क्योंकि इससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलती है, जो खतरनाक हो सकती है।

### स्किन को नुकसान पहुंचाता है हीटर

जिला अस्पताल के चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन वर्मा ने बताया कि हीटर स्किन को भी नुकसान पहुंचाता है। हीटर के सामने ज्यादा देर तक बैठने से स्किन ड्राई हो जाती है और खुजली भी हो सकती है।

हीटर से आंखें भी ड्राई हो जाती हैं और इनमें जलन की प्रॉब्लम हो सकती है। इतना ही नहीं जिन लोगों को हार्ट, सांस या खांसी जैसी प्रॉब्लम है। उन्हें एयर ब्लोअर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेहतर होगा कि ब्लोअर चलाते समय कमरे में गुनगुना पानी रख लें, ताकि ब्लोअर की वजह से हवा ड्राई न हो।

### ये बरतें सावधानी...

- अलाव जलाकर उसके पास न सोएं।
- पास में पानी से भरी बाल्टी जरूर रखें।
- आग जलाएं तो जमीन पर सोने से बचें।
- हीटर का प्रयोग थोड़े समय के लिए ही करें।
- घर में अगर बच्चा हो, तो आग न जलाएं।
- हीटर या अंगीठी के सामने प्लास्टिक, कपड़े न रखें।
- घर में वेंटिलेशन हो तभी अलाव, हीटर या ब्लोअर चलाएं।

## तांबे पर सोने का पानी चढ़ा जौहरी से ही ठगी, व्हाट्सएप ग्रुप पर वायरल

गोरखपुर। गोरखपुर में सराफा व्यापारी को तांबे के दानों पर सोने का पानी चढ़ाकर ठगों ने बेच दिया। सामने आया कि वो सोने का दाना 84 टंच, मतलब 24 कैरेट का है। पहले इन ठगों ने 300 ग्राम में से सात ग्राम दुकानदार को दे दिया। इन्हीं दानों को ठगों ने सोने का दाना बोलकर दुकानदार को बेंच दिया।

गोरखपुर में सोने–चांदी का कारोबार करने वाले जौहरी संग ठगों ने ठगी कर ली।

ठगी भी ऐसी कि जौहरी को ही तांबे के गोलाई वाले सिक्कों में सोने की पानी चढ़ाकर उसे 20 कैरेट का बताकर बेंच दी। अब सराफा व्यापारी अपने ठगे जाने की जानकारी जिले के एचयूआईडी व्हाट्सएप ग्रुप में भेज रहे हैं लेकिन, पुलिस और विभागीय कार्रवाई के डर से सामने आने से घबरा रहे हैं। दरअसल, हिंदी बाजार के एक व्यापारी का महावीर छपरा में सोने–चांदी की दुकान है। दुकान से अपना फुटकर सोने–चांदी की खरीद–बिक्री का काम करते हैं। दो दिन पहले सोने का दाना लेकर दो आदमी इनकी दुकान पर आते हैं। दुकानदार के सहयोगी ने बताया कि करीब 300 ग्राम सोने का दाना लेकर दोनों ठग आए थे। इस सोने के दानों की जांच भी दुकानदार की तरफ से टंच सेंटर पर कराया गया।

जांच के दौरान सामने आया कि वो

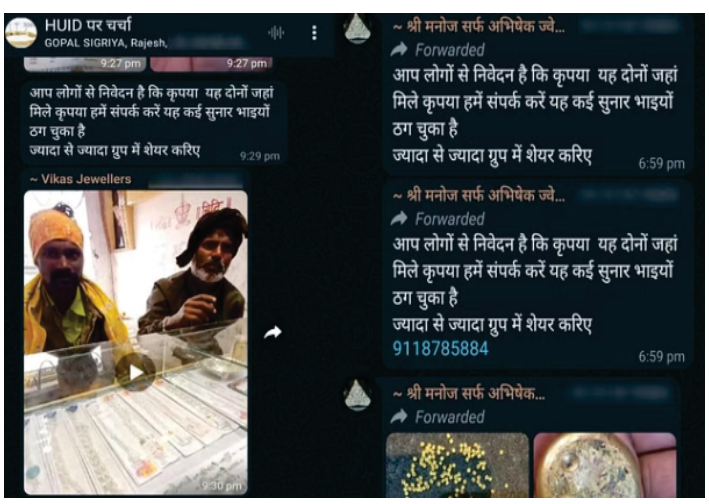


सोने का दाना 84 टंच, मतलब 24 कैरेट का है।

पहले इन ठगों ने 300 ग्राम में से सात ग्राम दुकानदार को दे दिया। इसी बीच बाकी सोने के दानों को हटाकर तांबे के दाने भर दिए। इन्हीं दानों को ठगों ने सोने का दाना बोलकर दुकानदार को बेंच दिया। भरोसे में लेकर दुकानदार के साथ ही ठगी कर दिया। जानकार बताते हैं कि 20 कैरेट के हिसाब से इन दानों की कीमत करीब 15 लाख रुपये हुई। ठगों ने दुकानदार को विश्वास में लेकर उनसे सात लाख रुपये लिए और शेष धनराशि दो दिन में इकट्ठा कर देने की बात बोल दुकान से लौट गए। कच्चे में खरीद बिक्री होने की वजह से इस रिकार्ड को लेकर दुकानदार भी चिंतित हैं लेकिन, अब चिंता यह भी है कहीं दूसरे व्यापारी भी न ऐसे ही ठगे जाएं।

### माल गलाकर खरीदते तो नहीं होती ठगी

सराफा के दुकानदारों ने बताया कि अगर इस माल को गला लिया गया होता तो ठगी नहीं हो पाती। लेकिन, कम में अधिक कमाने की चाह में व्यापारी ने लाखों रुपये गवां दिए। अब अलग–अलग ग्रुपों में मैसेज भेजकर ठगों से सतर्क रहने और उनपर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

# निराले होंगे रामलला के ठाठ...

## पांच हजार नए वस्त्र तैयार, सोमवार मंगलवार को धारण करते हैं ऐसे वस्त्र

संवाद न्यूज एजेंसी, अयोध्या । देशभर के राम भक्त अपने आराध्य के लिए वस्त्र भेज रहे हैं। रामलला के वस्त्र दिन के हिसाब से तैयार होते हैं। वस्त्रों के एक सेट में 10 हजार रुपये का खर्च आता है। नए मंदिर में रामलला के ठाठ–बाट निराले होंगे। रामलला के नए वस्त्र की बात करें तो अब तक उनके लिए पांच हजार से अधिक वस्त्र तैयार किए जा चुके हैं। पूरे देश से रामलला के लिए रोजाना उपहार भेजे जा रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्त रामलला के लिए वस्त्र भी भेंट कर रहे हैं। रामलला रोजाना नए कपड़े पहनते हैं, दिन के हिसाब से उनके लिए वस्त्र तैयार किए जाते हैं।

90 के दशक से रामलला के वस्त्र सिल रहे दर्जी भगवत प्रसाद ने बताया कि पूरे देश से उनके पास रामलला का वस्त्र बनवाने के लिए फोन आ रहे हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, मुंबई व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग फोनकर रामलला के लिए वस्त्र बनाने का आर्डर दे रहे हैं। पिछले डेढ़ माह में वे रामलला के लिए अब तक करीब एक हजार वस्त्र तैयार कर चुके हैं। भगवत प्रसाद ने बताया कि भगवान रामलला के लिए कपड़े सात दिन के हिसाब से तैयार होते हैं।

इस पर करीब दस हजार रुपये खर्च होते हैं। एक सेट में तीन पर्दे, एक बड़ा बिछौना, एक छोटे बिछौना, छह दुपट्टा और रजाई शामिल होती है। विहिप के शरद शर्मा बताते हैं कि पांच हजार से अधिक वस्त्र रामलला के लिए तैयार हैं। सोने, चांदी व रत्न जड़ित वस्त्र भी रामलला को भेंट किए जा रहे हैं। राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि रामलला सोमवार को सफेद, मंगलवार को गुलाबी, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का गुलाबी, शनिवार को नीला व रविवार को लाल गुलाबी वस्त्र धारण करते हैं।

***गर्भगृह में रखी जाएंगी सोने-चांदी की चरण पादुकाएं***

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राममंदिर के गर्भगृह में श्रीराम की चरण पादुकाएं भी रखी जाएंगी। ये चरण पादुकाएं एक किलो सोना और सात किलो चांदी से बनाई गई हैं। इन्हें हैदराबाद के श्रीचल्ला श्रीनिवास शास्त्री ने बनाया है। इसके अलावा राममंदिर के भूतल के सभी दरवाजों को भी स्वर्ण मंडित किया जा चुका है। राममंदिर का सिंहासन भी स्वर्ण जड़ित है। रामलला सोने का मुकुट भी धारण करेंगे।

# लखनऊ की सलाह पर संवारी जा रही अयोध्या

## जी–20 और इन्वेस्टर्स समिट का अनुभव आ रहा काम

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या को लखनऊ की सलाह पर तैयार किया जा रहा है। जी–20 और इन्वेस्टर्स समिट में शामिल रहे अधिकारी नगर का दौरा कर रहे हैं। इन अफसरों की सलाह काम आ रही है। जानें, कैसे हो रहा है काम? जी–20 और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान जिस तरह राजधानी लखनऊ को सजाया गया था अब उसी तरह अयोध्या को संवारा जा रहा है। इसके लिए अयोध्या नगर निगम प्रशासन लखनऊ नगर निगम से सलाह, मदद ले रहा है। निगम के आला अफसर अयोध्या का दौरा भी कर चुके हैं।

सड़क निर्माण के साथ, हरियाली, लाइटिंग, डिवाइडरों की रंगाई–पुताई, सफाई करवाई गई थी। इस पर 50 करोड़ से अधिक बजट खर्च हुआ था। शहीद पथ, वृंदावन योजना के अलावा उन जगहों को विशेष तौर पर सजाया गया था, जहां अतिथि ठहरे थे या जहां वे घूमने गए थे। इन इलाकों के चौराहों पर सुंदर गमले लगाने के साथ वार्टिकल गार्डेन बनाए गए थे। दीवारों पर चित्रकारी कराई थी। स्ट्रीट लाइट के पोलों पर एलईडी स्टिप लगाई थी, ताकि रात में सड़कें जगमगाएं। इन रास्तों के नाले ढक दिए गए थे। अवैध होर्डिंग, अतिक्रमण हटाने के साथ आवारा पशु पकड़े गए थे। अफसर अयोध्या नगर निगम को बता रहे हैं कि उन्होंने यह सब कैसे किया? जिन ठेकेदारों और एजेंसियों ने काम किया, उनकी भी जानकारी दी गई। अयोध्या प्रशासन अब इनसे काम कराने की तैयारी में है।

***कैटिल कैचिंग का विशेष दस्ता भी गया***

लखनऊ नगर निगम ने मार्ग प्रकाश टावर, सफाई, एंटी स्मॉग गन, पानी का छिड़काव करने वाले टैंकर, मोबाइल शौचालय वाली गाड़ियां और कैटिल कैचिंग दस्ता भी भेजा है। दस्ते में उन कर्मचारियों को ही रखा है, जो आवारा कुत्तों और छुट्टा गोवंश पकड़ने में माहिर हैं। पशु कल्याण अधिकारी भी भेजे गए हैं। बताया, कैसे संवारा था राजधानी को नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह और अपर नगर आयुक्त अवनींद्र सिंह तीन दिन पहले अयोध्या गए थे। नगर आयुक्त तो उसी दिन लौट आए, लेकिन अपर नगर आयुक्त तीन दिन बाद आए। उन्होंने बताया कि अयोध्या नगर निगम प्रशासन को जानकारी दी गई कि जी–20 और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान कैसे व्यवस्थाएं कीं। किन एजेंसियों को लगाया था। उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम ने बताया कि अयोध्या में चौराहे और सड़क पर कैसे फूलों, गमलों से सजावट कर सकते हैं।

***लापरवाह कंपनी भी पहुंच गई अयोध्या***

लखनऊ नगर निगम में ठेके पर सफाई करने वाली एक लापरवाह कंपनी भी अयोध्या में काम कर रही है। जानकारों ने बताया कि यह दो–तीन महीने से जुगाड़ से वहां काम कर रही है। उसे 1500 कर्मचारी लगाने का ठेका मिला है। लखनऊ में इस कंपनी को आए दिन काम में लापरवाही पर नोटिस तो जारी होते ही रहे, जुर्माना भी लगाया जाता रहा। कंपनी अयोध्या में भी लापरवाही बरत सकती है।

# भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने दाखिल किया नामांकन

लखनऊ। यूपी विधान परिषद की एक सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। यूपी विधान परिषद उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल कर दिया। दारा सिंह भाजपा प्रदेश मुख्यालय से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में नामांकन दाखिल करने विधान भवन पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित प्रदेश सरकार के अन्य मंत्री व पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक यूपी भाजपा की कोर कमेटी ने उप चुनाव के लिए पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा था। पैनल में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दारा सिंह चौहान का नाम प्राथमिकता पर था। इनके अतिरिक्त प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा और संतोष सिंह सहित अन्य नाम शामिल थे। केंद्रीय नेतृत्व ने दारा सिंह चौहान के नाम पर सहमति दे दी। सपा से इस्तीफा देने के बाद दारा सिंह घोसी विधानसभा क्षेत्र से उप चुनाव हार गए थे तब से ही दारा सिंह को विधान परिषद भेजने की चर्चा चल रही थी और आज उन्होंने नामांकन दाखिल कर दिया।

***मंत्री बनाए जाने को लेकर लगाए जा रहे थे कयास***

दारा सिंह चौहान को घोसी सीट पर विधानसभा उपचुनाव के बाद भी मंत्री बनाए जाने के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन दारा और उनके साथ ही सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर अभी भी इंतजार ही कर रहे हैं। दारा सिंह चौहान को गृहमंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है।

वह नोनिया समाज से आते हैं जो कि पूर्वांचल में काफी प्रभावी माना जाता है। उपचुनाव में वह अपने समुदाय का वोट भी पूरी तरह प्राप्त नहीं कर सके वह सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह से करीब 42 हजार वोटों से हार गए। सपा से भाजपा में शामिल होने पर दारा सिंह चौहान ने कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

# लोकसभा चुनावः सीट बंटवारे पर फंसा सपा–कांग्रेस में पेंच

***खुर्शीद बोले- अब राहुल ही करेंगे अखिलेश से बात***

,लखनऊ। इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे में पेंच आ रहे हैं। सपा और कांग्रेस की बैठक पहले तो टली लेकिन होने के बाद इससे कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका। सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सीटों के बंटवारे पर दिल्ली में इंडिया गठबंधन के घटक दलों कांग्रेस और सपा के बीच बुधवार को हुई बैठक आगे तो बढ़ी, पर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। बैठक खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि सपा के साथ एक और बैठक होनी है। बात नहीं बनी तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खरगे अखिलेश यादव के साथ बात करेंगे।

बैठक के बाद रामगोपाल यादव ने कहा कि आधा रास्ता तय कर लिया गया है, आधा अभी बाकी है। उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन की बैठक में सपा की ओर से प्रो. रामगोपाल यादव, सांसद जावेद अली, विधायक संग्राम सिंह यादव व लालजी वर्मा व पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह और कांग्रेस की ओर से अशोक गहलोत, मोहन प्रकाश, अराधना मिश्रा मोना, अविनाश पांडे, अजय राय और सलमान खुर्शीद शामिल हुए।

***होगा गठबंधन***

हालांकि एक कार्यक्रम में शरीक हुए अखिलेश यादव ने फिर से दोहराया कि गठबंधन होगा। लेकिन राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस उन्हें अपने कार्यक्रमों में बुलाती ही नहीं। मायने यह निकाले जा रहे हैं कि दोनों दलों में सबकुछ ठीक नहीं है।

***जहां संविधान का पालन, वही रामराज -अखिलेश***

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जबलपुर में कहा कि 22 जनवरी का दिन अच्छा है। रामराज क्या होता है, इस बारे में लोग सोचें। जहां संविधान का पालन हो, वहीं रामराज है।

# प्राण प्रतिष्ठाः 22 जनवरी को अयोध्या सहित पूरे प्रदेश को मिलेगी निर्बाध बिजली

लखनऊ। अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को पूरे प्रदेश को निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाएगी। राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ ने तय किया है कि सभी फीडर पर पर्याप्त मैनपावर रखते हुए किसी भी तरह की कटौती नहीं होने दी जाएगी।

संघ ने अभियंताओं से अपील की है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर आवश्यक है कि अयोध्या सहित पूरे प्रदेश में ट्रिपिंग फ्री विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने अन्य अभियंताओं से अपील की है कि विद्युत लाइनों के नियमित अनुरक्षण, परिवर्तकों व उसके प्रोटेक्शन सिस्टम की जांच व अन्य बचे तकनीकी अनुरक्षण काम के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएं।

साथ ही आगामी गर्मी को देखते हुए पूरे प्रदेश में 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना बनाई जाए। इसी क्रम में ऊर्जा निगम प्रबंधन ने भी फरवरी को अनुरक्षण माह के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया है।

गोरखपुर में ठंडी का सितम

# यूपी कैबिनेट का किसानों को तोहफा

## गन्ना मूल्य में 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी को दी मंजूरी

लखनऊ। यूपी कैबिनेट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने कई और फैसलों को भी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने गन्ना किसानों को तोहफा दिया है। कैबिनेट ने गन्ना मूल्य में 20 रूपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इसके तहत गन्ने की तीनों ही किस्मों में 20 रूपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

इसके पहले, गन्ना मूल्य को लेकर प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले 2021 में भी 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की थी। वर्तमान में सामान्य गन्ने का मूल्य 340 रुपये प्रति क्विंटल और अगेती प्रजापति के गन्ने का मूल्य 350 रुपये प्रति क्विंटल है। कैबिनेट बैठक में पेराई सत्र 2023–24 के लिए सहकारी क्षेत्र, निगम और निजी क्षेत्र सहित सभी चीनी मिलों की ओर से खरीदे जाने वाले गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य एसएपी निर्धारण होगा। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

***इन प्रस्तावों को भी दी गई सहमति***

– योगी कैबिनेट ने सेमी कंडक्टर नीति को भी मंजूरी दे दी है।
– चौरी–चौरा के नाम पर होगा मुंडेरा नगर पंचायत का नाम
– उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन को राज्य एवं स्थानीय कर, संपत्ति कर, गृहकर, सर्विस चार्ज, जलकर, विज्ञापन कर और पार्किंग शुल्क में छूट की मंजूरी दे दी गई है।
– उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के अनुसार, कैबिनेट ने तीन निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को भी मंजूरी दी है।

***उमेश पाल हत्याकांड में जांच रिपोर्ट कैबिनेट में रखी गई***

प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों के एनकाउंटर और अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले की न्यायिक जांच रिपोर्ट भी कैबिनेट में रखी गई। मालूम रहे कि उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों के एनकाउंटर की जांच के लिए राज्य सरकार ने बीते वर्ष 15 अप्रैल को न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था। आयोग ने अतीक के बेटे असद, शूटर मोहम्मद गुलाम, अरबाज और विजय चौधरी उर्फ उस्मान के एनकाउंटर की जांच की थी। दूसरी ओर, अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज के जिला अस्पताल परिसर में हुई हत्या के मामले की जांच भी न्यायिक आयोग से कराई गई थी। सूत्रों के मुताबिक दोनों न्यायिक आयोग ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिसे बृहस्पतिवार को कैबिनेट में पेश किया गया।

# कल्याण रहे न मुलायम...

## तब सारथी थे मोदी, आज हैं रथी, इनकी चर्चा बिना अधूरी है आंदोलन की कहानी

अयोध्या। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती और विनय कटियार के जिक्र बिना अयोध्या आंदोलन की कहानी अधूरी है। साध्वी ऋतंभरा, राम विलास वेदांती आदि वो सौभाग्यशाली लोग हैं जो मंदिर मुक्ति आंदोलन में भाग लेने के बाद रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी देखेंगे। मैं आनंदित हूं। मेरे प्रभु श्रीराम अपने जन्मस्थान पर बने दिव्य धाम में आज विराजित हो जाएंगे, जहां उनकी सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसी के साथ इतिहास बन जाएंगे अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े पांच सदीं पुराने विवाद और संघर्ष।

इस आनंद के क्षण में भी मेरा दिल बीच–बीच में उदास हो जाता है। इस अकल्पनीय क्षण का गवाह बनने के लिए कई वे चेहरे नहीं होंगे, जिनके संघर्ष के कारण आज मेरे और आपके भाग्य में यह दिन आया है। होंगे तो वे भी नहीं, जिन्होंने इस इतिहास को न बनने देने के लिए जमीन–आसमान एक किया। मेरी दोनों को श्रद्धांजलि। याद कीजिए कल्याण सिंह की, जिन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी का मोह नहीं किया और ढांचा गिर जाने दिया। जेल चले गए। किंतु, कारसेवकों पर गोली नहीं चलाने दी। कल्याण सिंह 5 अगस्त 2020 को गर्भगृह का शिलान्यास देखने के बाद स्थायी मंदिर में विराजित रामलला के दर्शन कर दुनिया से जाना चाहते थे, पर ऐसा न हो सका।

वे मुलायम सिंह भी शिलान्यास देखने के बाद आज का दिन देखने के लिए नहीं हैं, जिन्होंने बाबरी ढांचा बचाने के लिए कारसेवकों पर गोली चलवाई। वहीं, हाईकोर्ट के फैसले के बाद इस विवाद को सर्वोच्च न्यायालय तक ले जाने वाले मशहूर वकील और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के तत्कालीन संयोजक जफरयाब जीलानी को याद किए बिना मैं कैसे रह सकती हूं। जीलानी को भी सिर्फ शिलान्यास ही देखना नसीब हुआ।

अयोध्या के साथ पीएम मोदी की भूमिका में बदलाव भी मुझे उनकी अतीत से वर्तमान तक की यात्रा का उल्लेख करने को मजबूर कर रहा है। तब 1990 में वे गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या के लिए लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा लेकर चले थे। अब अपने हाथों रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। मोदी की सारथि से रथी तक की यह यात्रा बताती है कि निष्ठा के साथ लक्ष्य साधने के लिए किस पथ से चलना पड़ता है। इस संघर्ष यात्रा में भूमिका निभाने वाली गोरक्षपीठ के योगदान को बताए बिना कैसे रह सकती हूं। आखिर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर के रूप में अपने दादा गुरु दिग्विजय नाथ और गुरु अवैद्यनाथ के संकल्प के साकार होने के इतिहास के साक्षी और भागीदार नहीं हो रहे हैं, बल्कि मुख्यमंत्री के रूप में भी इससे जुड़कर इतिहास बना रहे हैं। लोग जब राम जन्मभूमि मंदिर का इतिहास पढ़ेंगे तो उन्हें पता चलेगा कि भाजपा के एक सीएम कल्याण सिंह ने राममंदिर के लिए सत्ता को ठोकर मार दी और योगी आदित्यनाथ के रूप में दूसरे ने पहले का संकल्प पूरा करने के लिए अयोध्या को किस तरह सांस्कृतिक विरासत और विकास का मॉडल बना दिया ।

***इनकी चर्चा बिना अधूरी है आंदोलन की कहानी***

लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती और विनय कटियार के जिक्र बिना अयोध्या आंदोलन की कहानी पूरी नहीं होगी। साथ ही साध्वी ऋतंभरा, राम विलास वेदांती आदि वे सौभाग्यशाली लोग हैं जो मंदिर मुक्ति आंदोलन में भाग लेने के बाद रामलला की प्राण प्रतिष्ठा देखेंगे। महंत नृत्यगोपाल दास भी ऐसे ही सौभाग्यशाली हैं। अब मैं मुख्य वादी रामचंद्र परमहंस और मस्जिद की तरफ से मुख्य प्रतिवादी दिवंगत हाशिम अंसारी की एक ही तांगे पर सवार होकर पैरवी के लिए कचहरी जाने वाली दोस्ती का उल्लेख करने से खुद को कैसे रोकूं। जिस मुद्दे पर पूरे देश में तनाव रहा उसके ये दो मुख्य किरदार ताउम्र दोस्त रहे। साथ में शतरंज और ताश खेले। हाशिम का घर जला तो परमहंस उसे बनवाने आगे आए। हाशिम की पत्नी बीमार हुईं तो इलाज कराया। परमहंस की मृत्यु हुई तो हाशिम के घर चूल्हा नहीं जला। याद तो उन आजम खां की भी करनी जरूरी है, जिन्होंने अयोध्या को लेकर भारत माता को 'डाइन' तक कहने में परहेज नहीं किया। हालांकि आज वे जेल में हैं। विहिप के अध्यक्ष रहे अशोक सिंघल का नाम तो लोगों की जुबान पर रहेगा ही। पर, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, पीवी नरसिम्हाराव, अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी, नारायण दत्त तिवारी, निर्मोही अखाड़े के महंत भास्कर दास का उल्लेख हुए बिना बात पूरी नहीं होगी। इन सब को नमन।

याद, विदेश सेवा के पूर्व नौकरशाह दिवंगत हो चुके सैयद शहाबुद्दीन को भी करना जरूरी है, जिन्होंने इस मामले को लंबा खींचने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिनकी कहनी आगे। पर, नमन परदे के पीछे रहकर इस आंदोलन को चलाने वाले तत्कालीन संघ प्रमुख प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया, सहसरकार्यवाह भाऊराव देवरस, वरिष्ठ पत्रकार भानुप्रताप शुक्ल, प्रदेश के राज्यपाल रहे विष्णुकांत शास्त्री, उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश देवकीनंदन अग्रवाल को भी।

# 'भगवान चाहे कुत्ते की जिंदगी देना...

## लेकिन बेटू से दूर न करना', लॉज की दीवार पर नोट लिख बाप ने दी जान

बांदा। बांदा के लॉज में एक शख्स ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जान देने से पहले शख्स ने कमरे की दीवार पर सुसाइड नोट भी लिखा। बेटू लव यू, अपने पापा की तरह कभी मत बनना। चलता हूं बेटू। पुलिस जांच में जुटी है। बांदा के लॉज के कमरे की दीवार पर बेटू लव यू, अपने पापा की तरह कभी मत बनना लिखकर युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, लेकिन खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।कोतवाली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित कुमार लॉज के कमरे में

फतेहपुर के दतौली गांव निवासी सोम प्रकाश उर्फ सोनू (34) ने चादर से पंखे में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार सुबह 10 बजे के करीब लॉज कर्मी कल्लू उनके कमरे की सफाई करने के लिए गए तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

लॉज मैनेजर की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह धक्का मारकर दरवाजा खोला और शव को फंदे से उतारा। पुलिस को बेड पर सुसाइड नोट भी पड़ा मिला। यह नोट पुत्र को संबोधित है। नीचे अपने पिता और ससुर का मोबाइल नंबर भी लिखा है। सुसाइड नोट में लिखे मोबाइल नंबर से पुलिस ने मृतक के पिता व ससुर को जानकारी दी।

लॉज मैनेजर अनवर ने बताया कि मंगलवार को सुबह 10 बजे सोनू ने रूम बुक किया था। दिन भर बाहर रहने के बाद रात में वह सोने आए थे। कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है।

***इकलौता बेटा था, ढाई साल से नही गया था घर***

पिता रजवंत सिंह ने बताया कि सोनू उनका तीन पुत्रियों में इकलौता पुत्र था। बाहर रहकर किसी कंपनी में प्राइवेट नौकरी करता था। ढाई साल से घर नहीं आया था। उसने अपना मोबाइल नंबर भी बंद कर लिया था। घर में उसकी पत्नी पिंकी, एक पुत्र बेटू व दो पुत्रियां परी व प्रिया हैं। मौसेरे भाई दिवाकर ने बताया कि सुसाइड की वजह भी नहीं पता। कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया खुदकुशी है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

***लिखा...जान नहीं दे पा रहा, भगवान हिम्मत दे मुझे***

बेटू लव यू, अपने पापा की तरह कभी मत बनना। चलता हूं बेटू, पिछले चार दिन से भगवान से सिर्फ एक ही बात कही है कि चाहे कुत्ते की जिंदगी देना, लेकिन मेरे बेटू के पास ही रखना। बेटू जान नहीं दे पा रहा हूं, भगवान हिम्मत दे मुझे।

# हर घर में श्रीराम ज्योति जलाएं

**पीएम मोदी ने कोच्चि में जनता को संबोधित किया**
**पीएम ने 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का किया लोकार्पण**
**पीएम मोदी ने कोच्चि में राम मंदिर का किया जिक्र**

पीएम मोदी ने आज कोच्चि में 4000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। कोच्चि में जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा केरल के लिए परियोजनाओं का आज लोकार्पण किया गया। उन्होंने आगे कहा कि आज सुबह मुझे गुरुवायुर मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला। मुझे केरल के विकास के उत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिला है।

एएनएआई, कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने बुधवार सुबह त्रिशूर के गुरुवायूर मंदिर में पूजा अर्चना की। वहीं, उन्होंने कोच्चि में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। कोच्चि में जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, केरल के लिए परियोजनाओं का आज लोकार्पण किया गया। वहीं, पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया।

**पीएम मोदी ने केरल में राम मंदिर का किया जिक्र**

उन्होंने आगे कहा कि आज सुबह मुझे गुरुवायुर मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला। मुझे केरल के विकास के उत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिला है। कुछ दिन पहले 30 दिसंबर को अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करते हुए मैं केरल में रामायण से जुड़े चार पवित्र मंदिरों की बात की थी। यह चारों मंदिर राजा दशरथ के चार पुत्रों से जुड़े हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला है।

**बंदरगाहों की कनेक्टिविटी बढ़ाने का चल रहा प्रयास: पीएम मोदी**

पीएम मोदी ने आगे कहा कि केंद्र सरकार कोच्चि जैसे तटीय शहरों की क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। हम सागरमाला परियोजना जैसी पहल के माध्यम से बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाने, बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को बनाने और मजबूत करने और बंदरगाहों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं।

**'हमने अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत करना शुरू कर दिया'**

उन्होंने आगे कहा कि 'आजादी के अमृत काल' में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में देश के हर राज्य की अपनी–अपनी भूमिका है। ऐसे समय में जब भारत समृद्ध था, जब वैश्विक जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी बहुत बड़ी थी, तब उसकी ताकत उसके बंदरगाह और बंदरगाह शहर ही थे। अब, जब भारत फिर से वैश्विक व्यापार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है, तो हमने अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

**भाजपा कार्यकर्ताओं को पीएम ने किया संबोधित**

परियोजनाओं को लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी ने कोच्चि में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने केरल में शक्तिकेंद्र प्रभारी सम्मेलन में भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा," विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों ने केरल में भाजपा का झंडा ऊंचा रखा है। मैं आपके सामने सिर झुकाता हूं – जो लोग राजनीतिक उथल–पुथल के दौरान भी भारत की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं।"

**'भाजपा लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देती है'**

पीएम मोदी ने आगे कहा,"आज भाजपा जन–जन की पार्टी बन गयी है। यह एकमात्र पार्टी है जिसके पास तेज विकास का ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है। गरीब, महिला, युवा और किसान ये चार श्रेणियां हैं जिनका सशक्तिकरण एक विकसित भारत की नींव रखेंगे। यह केवल भाजपा है जो इन लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देती है।"पीएम मोदी ने केरल में लोगों से अपील की कि 22 जनवरी को रामलीला प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर घर–घर में सद्भाव के साथ दिए जलाएं। वहीं, अपने मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाएं।

**बूथ जीत सकते हैं, तो हम केरल जीत सकते हैं: पीएम मोदी**

आगामी लोकसभा और केरल विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, मुझे यकीन है कि केरल बीजेपी की जीत में भूमिका निभाने जा रहा है। हमारा पहला संकल्प होना चाहिए 'हम अपना बूथ जीतेंगे'। अगर हम एक बूथ जीत सकते हैं, तो हम केरल जीत सकते हैं।

## तीन साल में बन जाएगी खलीलाबाद–बांसी के बीच रेल लाइन, शुरू हुआ काम

गोरखपुर। संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जिले के करीब 100 किलोमीटर लंबे हिस्से को रेल पथ से जोड़ने के लिए मार्च 2019 में खलीलाबाद–बहराइच रेल लाइन के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। यह रेल लाइन गोरखपुर–बढ़नी रेल मार्ग से भी जुड़ेगी। खलीलाबाद–बहराइच वाया श्रावस्ती रेल लाइन परियोजना के पहले चरण का काम शुरू हो चुका है। पहले चरण में खलीलाबाद से बांसी तक लाइन बिछनी है।

इस चरण में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के साथ–साथ बांसी–खेसरहा रूट पर लगभग 10 किलोमीटर में मिट्टी भराई का कार्य चल रहा है। बाकी जमीन उपलब्ध होते ही काम शुरू हो जाएगा। प्रथम चरण का काम करीब तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जिले के करीब 100 किलोमीटर लंबे हिस्से को रेल पथ से जोड़ने के लिए मार्च 2019 में खलीलाबाद–बहराइच रेल लाइन के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। यह रेल लाइन गोरखपुर–बढ़नी रेल मार्ग से भी जुड़ेगी। पिछले साल रेल मंत्रालय ने इसे स्पेशल प्रोजेक्ट में शामिल किया था। इसके बाद तय किया गया कि जैसे–जैसे जमीन उपलब्ध होती जाएगी, निर्माण होता जाएगा। पहले चरण में खलीलाबाद से बांसी के बीच जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। इस नए रेल रूट पर चार जंक्शन, 16 क्रासिंग स्टेशन और 12 हॉल्ट बनाए जाएंगे।

## लोकसभा चुनाव में विपक्ष को मात देने के लिए भाजपा का बड़ा प्लान, 10 फीसदी वोट बैंक और छोटे दलों पर फोकस

लखनऊ। लोकसभा चुनाव–2024 में भारतीय जनता पार्टी दस फीसदी वोट बैंक बढ़ाने में ताकत लगाएगी। यूपी में गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के क्लस्टर वार प्रवास होंगे। लोकसभा चुनाव–2024 में भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में दस प्रतिशत वोट बढ़ाने में ताकत लगाएगी। पार्टी ने नए मतदाताओं के साथ फ्लोटिंग मतदाताओं को साधने की रणनीति बनाई है। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में हुई पार्टी के बैठक में गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने क्लस्टर प्रभारियों को चुनाव का रोडमैप सौंपा।

बैठक में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने कहा कि सभी लोकसभा क्षेत्रों में विपक्षी दलों के ऐसे नेता जो अपने दल में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं, उन्हें भाजपा से जोड़ना है। लेकिन शामिल करने से पहले कोई आश्वासन नहीं देना है।

बताया गया कि आगामी दिनों में यूपी में गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के क्लस्टर वार प्रवास शुरू होंगे। इनमें वह क्लस्टर की चुनावी तैयारी की समीक्षा के साथ चुनावी बैठकें, शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम भी

करेंगे। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

**इस बार बदली रणनीति**

भाजपा के सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने लोकसभा चुनाव में रणनीति बदली है। जातीय सम्मेलन करने की जगह पार्टी युवाओं, महिलाओं और लाभार्थियों पर फोकस करेगी।

पार्टी महिलाओं को साधने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संपर्क और संवाद बढाएगी। अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं और महिलाओं से भी लगातार संवाद कसेगी। पार्टी का पूरा जोर नए मतदाताओं पर है, हर विधानसभा क्षेत्र में दो नवमतदाता सम्मेलन कर युवाओं को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने की योजना है। पार्टी मजदूर वर्ग से लेकर प्रबुद्ध वर्ग, खिलाड़ियों, भूतपूर्व सैनिकों सहित प्रत्येक वर्ग के बीच जाएगी। राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष ने सभी लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव कार्यालय 31 जनवरी तक खोलने और वहां सभी व्यवस्थाएं करने को कहा।

## पुलिस ने महिला को घसीटा

### गोद में था मासूम, फिर भी नही आया तरस, कार्रवाई से बिलख पड़े बच्चे

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी में एक महिला मारपीट के मामले की शिकायत लेकर पहुंची थी। बताया जा रहा है कि पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे नाराज महिला अपने बच्चों को लेकर सड़क पर बैठ गई थी। लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी कस्बे में पुलिस का बेरहम चेहरा सामने आया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें पुलिसकर्मी एक महिला को खींचते दिख रहे हैं। महिला की गोद में बच्चा है। वह बिलख रहा है। पास में खड़े दो और बच्चे भी रो रहे हैं। वीडियो मोहम्मदी कस्बे के हनुमान द्वार चौराहे के पास का बताया गया है।

बताते हैं कि कोतवाली के गांव हरिहरपुर निवासी महिला का गांव के ही लोगों से एक दिन पहले विवाद हुआ था। दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। बुधवार को शिकायत लेकर महिला कोतवाली पहुंची। बताया जा रहा है कि आरोपियों पर कार्रवाई न होने से नाराज महिला अपने बच्चों को लेकर हनुमान द्वार के पास सड़क पर बैठकर विरोध जताने लगी। चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिला को सड़क से हटाने का प्रयास किया। जब महिला नहीं हटी तो उसे घसीटकर सड़क से हटाया। पुलिस की कार्रवाई से महिला के बच्चे जोर–जोर से रोने लगे। वहां मौजूद किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। इस मामले को लेकर अधिक जानकारी जुटाई जा रही है।

## राम आज भी देश का सबसे लोकप्रिय नाम, हर 245वें व्यक्ति का नाम राम

कानपुर । देश में हर 245वें व्यक्ति का नाम राम पर रखा गया है। वहीं, दूसरे नंबर पर कृष्ण का नाम है। दुनिया में 19 लाख से अधिक महिलाओं के नाम सीता पर रखे गए हैं। भगवान श्री राम का नाम सर्वोपरि होने के साथ ही लोकप्रिय भी है। फोरबियर्स डॉट इन वेबसाइट के अनुसार देश में राम नाम नंबर एक पर है। 2021 तक भारत की आबादी 140.76 करोड़ के अनुसार देश में हर 245वें व्यक्ति का नाम राम पर रखा गया है। दुनिया की अगर बात करें तो 57 लाख 43 हजार 68 लोगों के नाम राम हैं। लोकप्रिय नामों के लिहाज से यह दुनिया में 58वें स्थान पर है। विश्व की आबादी वर्ष 2021 में 788.84 करोड़ थी। ऐसे में दुनियाभर में हर 1373वें व्यक्ति का नाम राम है। भारत के अलावा कंबोडिया, फिजी, मैडागास्कर, श्रीलंका आदि देशों में लोग राम नाम रखना पसंद करते हैं।

**सीता का नाम दुनिया में 325वें स्थान पर**

रामायण काल के हजारों वर्ष बाद कलियुग में भी लोग अपने बच्चों का नाम रामायण से जुड़े किरदारों पर रख रहे हैं। देश–दुनिया में 19 लाख से अधिक महिलाओं और लड़कियों के नाम माता सीता के नाम पर रखे गए हैं। लोकप्रिय नाम के लिहाज से सीता दुनिया में 325वें स्थान पर है। भारत के अलावा नेपाल में भी लोग बेटियों का नाम सीता रखना पसंद करते हैं। आश्चर्यजनक लेकिन सच है कि लोगों ने अपनी 227 बेटियों का नाम मंथरा भी रखा है।

**कौशल्या की तुलना में उर्मिला और सुमित्रा नाम ज्यादा लोकप्रिय**

भगवान राम को जन्म देने वाली मां कौशल्या की तुलना में उर्मिला और सुमित्रा नाम ज्यादा लोकप्रिय है। दुनिया में उर्मिला नाम 453वें और सुमित्रा 516वें स्थान पर है। कौशल्या नाम 2233वें स्थान पर है। कौशल्या नाम श्रीलंका में भी कई महिलाओं के हैं।

लक्ष्मण का नाम 1645वें स्थान पर है। नेपाल में लोग अपने बच्चों का नाम शत्रुघ्न रखना काफी पसंद करते हैं। दुनिया में 17538 लोगों के नाम रावण, 10289 के विभीषण और 14 लोगों ने मेघनाद के नाम पर अपना नाम रखा है। 27592 के नाम कैकेयी हैं। चीन में भी कई लोगों ने यह नाम रखा है।

**देवी–देवताओं पर रखे जाने वाले अन्य पसंदीदा नाम**

मोहन, शंकर, गोपाल, गणेश, महेश, शिव, नारायण, हरि, जगदीश और विष्णु नाम भी खूब रखे जाते हैं। दुनिया के पसंदीदा नाम की श्रेणी में भारतीय देवियों में लक्ष्मी 290वें, राधा 456वें, दुर्गा 857वें और पार्वती 3129वें स्थान पर हैं।

मान्यता है कि देवताओं के नामों पर बच्चों का नाम रखने से भगवान का स्मरण होता रहता है। समय भले बदला हो लेकिन आज भी बच्चों के नाम देवी–देवताओं के नामों पर सबसे ज्यादा रखना पसंद करते हैं। –महंत कृष्णदास महाराज, पनकी मंदिर

लोगों के व्यक्तित्व में उनके नाम का काफी असर पड़ता है। ऐसे में बच्चों के नाम रखते समय काफी सजगता रखनी चाहिए। हमारे धार्मिक नाम सदैव लोकप्रिय रहेंगे। राम का नाम लेने से मन को शांति मिलती है। –बालयोगी अरुण पुरी चैतन्य, सिद्धनाथ मंदिर

## रणबीर कपूर की रामायण की कास्टिंग जारी

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली अपकमिंग माइथोलॉजिकल फिल्म रामायण लगातार चर्चा में बनी हुई है। जहां लीड रोल में भगवान श्री राम की भूमिका में रणबीर कपूर फाइनल हो चुके हैं, वहीं लगातार फिल्म के दूसरे किरदारों की कास्टिंग में लगातार अपडेट सामने आ रही है। अब रिपोर्ट्स की मानें तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी स्टारर सीरीज सेक्रेड गेम्स में कुक्कू का रोल प्ले कर चुकीं कुब्रा सेत फिल्म में शूर्पणखा का रोल प्ले करेंगी।

ताजा रिपोर्ट्स में फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में रावण की बहन शूर्पणखा के रोल में कुब्रा सेत कास्ट कर ली गई हैं। फिल्म में रावण के रोल में केजीएफ स्टार यश हैं।

**लारा दत्ता बनेंगी कैकयी**

रिपोर्ट्स के अनुसार लारा दत्ता फिल्म में राजा दशरथ की तीसरी पत्नी कैकयी का रोल प्ले करने वाली हैं। फिल्म रामायण की शूटिंग मार्च 2024 से शुरू होने वाली हैं।

मार्च में ही लारा शूटिंग शुरू करने वाली हैं। नितेश तिवारी का मानना है कि कैकयी का किरदार रामायण की अहम कड़ी है, ऐसे में लारा उस रोल को बखूबी निभाएंगी। लारा भी फिल्म के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

**सनी देओल-बाबी को भी आफर हुई फिल्म!**

फिल्म एनिमल में बॉबी देओल का बेहतरीन अभिनय देखने के बाद मेकर्स ने उन्हें फिल्म रामायण में कुंभकर्ण का रोल ऑफर किया था। बॉबी इन दिनों साउथ फिल्म कुंगवा की शूटिंग में व्यस्त हैं, ऐसे में उन्होंने नितेश तिवारी से 2 महीने का समय मांगा है। बॉबी की टीम ने भी बताया है कि फिलहाल बॉबी का फिल्म रामायण में होना तय नहीं है।

# भूल भुलैया-3 में मंजुलिका बनेंगी विद्या बालन

## तब्बू को कर सकती हैं रिप्लेस, 2024 में रिलीज होगी फिल्म

साल 2007 में आ अक्षय कुमार और विद्या बालन की हारर कामेडी फिल्म `भूल भुलैया' बाक्स आफिस पर अच्छी कमाई की थी। कार्तिक आर्यन की `भूल भुलैया-2' में विद्या बालन को रिप्लेस कर दिया गया था। अब फिल्म के तीसरे पार्ट में उनकी वापसी हो सकती है।

मुम्बई। कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया-3' को लेकर काफी समय से कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच खबर आई थी कि इस मोस्ट अवेटेड फिल्म में मंजुलिका के किरदार में तब्बू नहीं बल्कि विद्या बालन की एंट्री हो सकती है। बहरहाल, इसकी कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है। बता दें, साल 2007 में आई अक्षय कुमार और विद्या बालन की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया-2' में विद्या बालन को रिप्लेस कर दिया गया था। अब फिल्म के तीसरे पार्ट में उनकी वापसी हो सकती है।

**इस फिल्म में कई तरह के ट्विस्ट हो सकते हैं**

कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 2' देखने के बाद उनके फैंस अब 'भूल भुलैया 3' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फैंस को ये जानने में भी बहुत इंट्रेस्ट है कि इस फिल्म में और कौन-कौन नजर आएगा। फिलहाल ऐसी खबरें हैं कि फिल्म की शूटिंग मार्च में शुरू होने वाली है। फिल्म का डायरेक्शन अनीस बज्मी करेंगे। इस फिल्म में कई ट्विस्ट डाले जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'भूल भुलैया 3' में सारा अली खान को लिए जाने की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, मेकर्स अभी भी और कई नामों पर विचार कर रहे हैं।

**'भूल भुलैया 2' का कलेक्शन**

'भूल भुलैया 2' के कलेक्शन की बात करें, तो इसने इंडिया में 185.92 करोड़ की कमाई की थी। शुरुआत में फिल्म को लेकर लोगों ने सोचा था कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होगी। लेकिन फिल्म ने सबको गलत साबित करते हुए वर्ल्डवाइड में 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

**भूल भुलैया 2' 2007 में आई फिल्म का सीक्वल थी**

'भूल भुलैया 2' को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है। इसमें कार्तिक के अलावा कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म 2007 में आई फिल्म 'भूल भुलैया' का सीक्वल है। कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इस समय फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग में बिजी हैं।

# 'एनिमल' के सीक्वल पर बात करती नजर आईं रश्मिका मंदाना

एंटरटेनमेंट डेस्क। रश्मिका मंदाना ने संदीप रेड्डी वंगा को लेकर कहा कि उनका काम बाकी सबसे बिल्कुल अलग है। इस दौरान अभिनेत्री ने 'एनिमल' के सीक्वल 'एनिमल पार्क' पर भी चर्चा की और जिक्र किया कि ये और भी धमाकेदार होगी।

# इस चालाक कंटेस्टेंट की शुरू हई उल्टी गिनती

बिग बास 17 से इस हफ्ते एलिमिनेट होने के लिए विक्की जैन अंकिता लोखंडे ईशामालवीय और आयशा खान नामिनेटेड हैं। फिनाले से पहले बिग बास 17 में टार्चर टास्क करवाया गया। जहां अंकिता विक्की आयशा और ईशा ने जमकर मुनव्वर अभिषेक मनारा और अरुण को परेशान किया। हालांकि अंत में बाजी ऐसी पलटी कि अंकिता विक्की ईशा और मनारा नामिनेट हो गए।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बिग बॉस 17 में सीजन का फाइनलिस्ट बनने के लिए घमासान जारी है। घर में अब सिर्फ 8 कंटेस्टेंट्स बचे हुए हैं। इनमें से 4 इस हफ्ते के लिए नॉमिनेटेड हैं। जल्द किसी एक का सफर बिग बॉस 17 से हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। शो के अपकमिंग एलिमिनेशन को लेकर अपडेट आई है। बिग बॉस 17 की जर्नी 17 कंटेस्टेंट्स के साथ शुरू हुई थी। इनमें से कई बाहर गए, तो वहीं, कुछ घर के अंदर भी आए। वहीं, अब जल्द शो को अपना विनर मिलने वाला है।

**कौन- कौन हुआ नामिनेट ?**

बिग बॉस 17 से इस हफ्ते एलिमिनेट होने के लिए विक्की जैन, अंकिता लोखंडे, ईशा मालवीय और आयशा खान नॉमिनेटेड हैं। फिनाले से पहले बिग बॉस 17 में टॉर्चर टास्क करवाया गया। जहां अंकिता, विक्की, आयशा और ईशा ने जमकर मुनव्वर, अभिषेक, मनारा और अरुण को परेशान किया। हालांकि, अंत में बाजी ऐसी पलटी कि अंकिता, विक्की, ईशा और मनारा नॉमिनेट हो गए।

**किसे मिले सबसे ज्यादा वोट्स ?**

बिग बॉस 17 के अपकमिंग एलिनेशन के लिए वोटिंग ट्रेंड्स की रिपोर्ट सामने आए है। शो से जुड़ी ताजा खबर शेयर करने वाले एक फैन पेज के अनुसार, वोटिंग लिस्ट में सबसे कम वोट्स घर के सबसे चालाक खिलाड़ी को मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा वोट्स टीवी की पॉपुलर बहू अंकिता लोखंडे के खाते में आए हैं।

**किसका खत्म होगा सफर ?**

अंकिता के बाद दूसरे नंबर पर वाइल्ड कार्ड एंट्री आयशा खान हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर ईशा मालवीय हैं, जबकि सबसे कम वोट्स के साथ विक्की जैन का नाम चौथे नंबर पर शामिल है यानी इस हफ्ते बिग बॉस 17 के घर से विक्की जैन बाहर हो जाएंगे।

# जर्मनी से पेनल्टी शूटआउट में हारा भारत

## अब ओलंपिक में जगह के लिए जापान से होगा सामना

स्पोर्ट्स डेस्क। इस टूर्नामेंट से शीर्ष तीन टीमें पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करेंगी। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी शुक्रवार को फाइनल में अमेरिका से भिड़ेगी। वहीं, तीसरे–चौथे स्थान के लिए भारत का सामना जापान से होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर के सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय में दोनों टीमें 2–2 से बराबरी पर थीं और मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया, जहां भारत जर्मनी से 3–4 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ जर्मनी ने इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया। हालांकि, भारत के लिए राहत की बात यह है कि अगर टीम शुक्रवार को तीसरे–चौथे स्थान के मैच में जापान को हरा देती है तो उसके पास ओलंपिक में अपना स्थान पक्का करने का मौका होगा।

**पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करेंगी शीर्ष तीन टीमें**

इस टूर्नामेंट से शीर्ष तीन टीमें पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करेंगी। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी शुक्रवार को फाइनल में अमेरिका से भिड़ेगी। शूटआउट में सविता ने दो बेहतरीन बचाव किए, लेकिन नवनीत कौर, नेहा गोयल, संगीता कुमारी और सोनिका सडन डेथ में गोल करने से चूक गईं और जर्मनी को पेरिस खेलों का टिकट दिला दिया। मैच में पहला गोल जर्मनी ने दागा। उसने 15वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से गोल अर्जित किया। हालांकि, यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं चली, क्योंकि 27वें मिनट में भारत ने गोल दाग स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। जर्मनी ने चौथे क्वार्टर में 57वें मिनट में गोल दाग एक बार फिर से बढ़त हासिल की। ऐसा लग रहा था कि टीम इंडिया के हाथ से यह मैच आसानी से निकल जाएगा, लेकिन 59वें मिनट में भारत की ओर से गोल आया और स्कोर 2–2 से बराबर हो गया। हालांकि, फिर पेनल्टी शूटआउट में टीम इंडिया हार गई।

**अमेरिका ने सेमीफाइनल में जापान को हराया**

इससे पहले अमेरिका ने पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन की बदौलत पूर्व एशियाड चैंपियन जापान को 2–1 से हराकर एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालिफायर के फाइनल में प्रवेश किया था और साथ पेरिस ओलंपिक में स्थान सुनिश्चित किया।

जापान ने अमिरू शिमाडा के 38वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन फिर अमेरिका ने एशले होफमैन (52वें मिनट) और एबिगेल टैमर (55वें मिनट) के पेनाल्टी कॉर्नर से किए गोल की बदौलत जीत हासिल की।

जापान ने शुरू से ही आक्रामक हॉकी खेली जिससे उसे दूसरे ही मिनट में पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिल गया, लेकिन टीम इस मौके का फायदा नहीं उठा सकी।

अमेरिका ने कई बार सर्कल के अंदर सेंध लगाई, लेकिन जापानी रक्षापंक्ति अडिग रही। अमेरिका को 11वें मिनट में पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला और जापानी गोलकीपर एका नाकामुरा ने इसे नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी जापान ने आक्रामक खेल जारी रखा और 17वें मिनट में दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया।

तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमें कोशिश करती रहीं, पर कोई गोल नहीं हुआ।एक गोल से पिछड़ रही अमेरिका ने अंतिम क्वार्टर में जापानी डिफेंस पर दबाव बनाया और उसकी योजना कारगर रही। उसने दो मिनट के अंदर दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर इन्हें गोल में बदलकर जीत हासिल की। टूर्नामेंट में अभी तक अमेरिका को हार का सामना नहीं करना पड़ा है।

# कप्तान रोहित की टी20 विश्व कप को लेकर क्या है रणनीति

## अफगानिस्तान का सूपड़ा साफ करने के बाद कही यह बात

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बाद तीसरे टी20 में जबरदस्त वापसी की। तीसरे मुकाबले में उन्होंने तूफानी शतक जड़ा और फॉर्म में वापसी के संकेत दिए। रोहित के अलावा रिंकू सिंह ने भी अपने कप्तान का बखूबी साथ निभाया। 22 रन पर चार विकेट गिर जाने के बाद भारतीय टीम परेशानियों में दिख रही थी।

ऐसे में दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 190 रनों की नाबाद साझेदारी करके टीम को 212 के स्कोर तक पहुंचाया। मैच के बाद रोहित से टी20 विश्व कप संयोजन के बारे में पूछा गया और इस पर उनकी और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की मानसिकता के बारे में पूछा गया। रोहित ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि वह जानते हैं कि सभी को खुश रखना संभव नहीं है।

**'टी20 विश्व कप के लिए टीम पर अभी फैसला नहीं'**

रोहित ने मैच के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए कहा कि 15 सदस्यीय टीम का फैसला अभी नहीं किया गया है, लेकिन टीम

प्रबंधन अब भी आठ से 10 खिलाड़ियों को चुन रहा है जो दौड़ में हैं।

हमने अभी 15 सदस्यीय टीम पर फैसला नहीं लिया है, लेकिन हमारे दिमाग में आठ से 10 खिलाड़ी हैं। इसलिए हम परिस्थितियों के अनुसार ही अपना संयोजन बनाएंगे। वेस्टइंडीज में परिस्थितियां धीमी हैं, इसलिए हमें उसी के अनुसार अपनी टीम चुननी होगी। जहां तक राहुल द्रविड़ और मेरा सवाल है, हमने स्पष्टता बनाए रखने की कोशिश की है। हम उन्हें बताने की कोशिश करते हैं कि प्रदर्शन करने के बाद भी उन्हें क्यों चुना गया है या क्यों नहीं चुना गया है।

**'हर किसी को खुश नही कर सकते'**

रोहित ने यहां तक कहा कि तीसरे टी20 में बेंच पर खिलाड़ी पूछेंगे कि वे क्यों नहीं खेल रहे हैं, लेकिन उनके लिए सभी को संतुष्ट और खुश करना असंभव है क्योंकि केवल 11 खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'आप हर किसी को खुश नहीं रख सकते। कप्तान के रूप में मैंने अपने समय में यही सीखा है। आप 15 खिलाड़ियों को खुश रख सकते हैं। तब भी केवल 11 खुश हैं। बेंच पर बैठे चार खिलाड़ी भी पूछते हैं कि वे क्यों नहीं खेल रहे हैं। मैंने सीखा है कि आप हर किसी को खुश नहीं रख सकते हैं और ध्यान टीम के लक्ष्य पर होना चाहिए।

**भारत–पाकिस्तान मैच नौ जून को**

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज इस साल टी20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया का आखिरी द्विपक्षीय टी20 सीरीज थी। खिलाड़ियों का चयन अब इंडियन प्रीमियर लीग में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। टी20 विश्व कप जून में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को ग्रुप ए में पाकिस्तान के साथ रखा गया है। इस ग्रुप में यही दोनों बड़ी टीमें हैं। इनके अलावा आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप मुकाबला नौ जून को खेला जाएगा।